DAANG VIKAS SANSTHAN, KARAULI

PROGRESS REPORT

MONTH OF MARCH 2020 TO 20, SEPTEMBER 2020

EQUALITY IN ALL ITS TOTALITY
DAANG VIKAS SANSTHAN

phf Paul Hamlyn Foundation

डांग विकास संस्थान, करौली

प्रगति प्रतिवेदन

संस्था परिचय :–

डांग विकास संस्थान एक गैर सरकारी संस्था है जिसका गठन 2003 में हुआ। संस्था सन् 2005 से ग्रामीण क्षेत्रों में मजदूरों, विधवा महिलाओं व गरीब लोगों के साथ उनके आजीविका विकास के मुद्दों पर कार्य कर रही है। संस्था ने सन् 2009 से खान मजदूरों में होने वाली बीमारी को खोजने हेतु एफएलआरसी टूल के माध्यम से चयनित परिवारों के साथ कार्य किया जिसमें विभिन्न सरकारी व गैर सरकारी संगठनों के सहयोग से सिलिकोसिस बीमारी पर चार जिलों करौली, धौलपुर, भरतपुर व दौसा में मजदूरों के स्वास्थ्य के मुद्दों पर कार्य कर रही है। इसके अलावा किशोरी बालिका, आंगनबाडी केन्द्र व स्वयं सहायता समूहों के साथ कार्य किया है। संस्था द्वारा 30 मार्च 2020 से कोविड 19 वैश्विक महामारी पर ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में विधवा महिला, गरीब परिवार, खनन मजदूर, प्रवासी मजदूर, पशु–पक्षी व आवश्यकतानुसार गरीब लोगों के लिए कार्य किया गया।

कोविड 19 वैश्विक महामारी परीचय :–

कोविड–19 एक संक्रमिक बीमारी है जो एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में कोरोना वायरस से फैलती है। यह बीमारी चीन देश में माह दिसम्बर 2019 से शुरू हुई और लॉक डाउन के बाद भी धीरे–धीरे पूरे विश्व में फैल गई। भारत में पहला कोरोना पॉजेटिव मरीज 30 जनवरी 2020 को केरल में मिला। यह बीमारी कोरोना वायरस से संक्रमित व्यक्ति के सम्पर्क में आने से, छूने व उसके साथ खाने–पीने से व रहने से उसके बायरस एक से दूसरे व्यक्ति में पहुंच जाते है। कोरोना वायरस से पॉजेटिव व्यक्ति को सांस लेने में कठिनाई का सामना करना पडता है। इस बीमारी का अभी तक कोई ठोस इलाज नहीं मिल पाया है। इस बीमारी से बचाव ही अभी तक इसका इलाज है। यह बीमारी छोटे बच्चे व 60 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों व गम्भीर बीमारियों से पीडित व्यक्तियों के लिए विशेष चिन्ताजनक है। इस कोरोना वायरस से व इससे संक्रमित व्यक्ति से सम्पर्क में नहीं आना ही हितकारी है। इस बीमारी से बचने के लिए सरकार द्वारा नियम बनाए गये जैसे – भीड–भाड वाले स्थान पर न जाना, अनावश्यक वस्तुओं को न छूना, मुंह पर मास्क का प्रयोग करना, सार्वजनिक स्थलों पर नहीं थूकना, छीकते खासते समय मुंह पर कपडा लगाना, बार–बार साबुन से हाथ धोना, अपने मुंह व नाक पर बार–बार हाथ नहीं लगाना, समय–समय पर सैनेटाईज करते रहना व सामाजिक दूरी बनाये रखना बहुत कारगर है। सरकार की एडवाईजरी का पालन करने व उपरोक्त बातो पर अमल करना ही सबसे बडा बचाव है।

कोरोना वायरस से बचने के लिए सरकार द्वारा 22 मार्च 2020 से पूरा भारत देश लॉक डाउन कर दिया। लॉक डाउन से घर का व्यक्ति घर में और बाहर का व्यक्ति बाहर ही रूक गया। बाजार बन्द हो गये, फैक्ट्रिया बन्द हो गई, प्राईवेट व सरकारी दफतर बन्द हो गये। यातायात के साधन व ट्रांसपोर्ट आदि बन्द हो गये जिससे लोगों का रोजगार भी बन्द हो गया। केवल अस्पताल व मेडिकल की दुकान बन्द नहीं हुई बाकी सब कुछ बन्द हो गया था जिससे गरीब वर्ग व मजदूर वर्ग पर बहुत प्रभाव पडा इनके पास भोजन की व्यवस्था नहीं सकी इसी बात का ध्यान रखते हुए संस्थान द्वारा पशु–पक्षी, गरीब, मजदूर व आवश्यकतानुसार सभी वर्ग के लोगों का कोविड–19 वैश्विक महामारी में सहयोग करने की ठाणी और निम्न कार्य किये गये।

संस्था द्वारा किये गये कार्यो का विवरण

❖ राहत खाद्य सामग्री वितरण :–

डांग विकास संस्थान करौली द्वारा कोविड–19 वैश्विक महामारी में लॉक डाउन के कारण गरीबतम परिवारों को आई समस्याओं को चिन्हित कर ग्रामीण क्षेत्रों के गांवों में पंचायत सरपंच व सचिव से समन्वय स्थापित कर संस्था द्वारा गरीबतम परिवारों का चयन कर तुरन्त राहत प्रदान करने के लिए संस्था द्वारा 3300 गरीबतम परिवारों को राहत खाद्य सामग्री किटों का वितरण किया गया। किट में 10 किलो आटा, चना व मूंग की दाल, तेल, मसाले व साबुन दिये गये। यह किट शहरी क्षेत्र में भी आवश्यक गरीब परिवारों में भी वितरित की गई। संस्था द्वारा जिला स्तर पर कलक्टर, एस.पी., को अवगत कराकर अपने कार्यक्षेत्र के 40 चयनित गांवों में यह किट वितरण की अनुमति ली गई जिसकी जिला प्रशासन द्वारा संस्था द्वारा किये गये कार्य की सराहना करते हुए कहा कि इस वैश्विक महामारी में संस्था गरीबतम परिवारों के साथ बहुत ही अच्छा कार्य कर रही है।

खाद्य सामग्री वितरण फोटो

❖ मास्क वितरण :–

संस्था द्वारा अपने कार्य क्षेत्र के 40 गांवों में 10000 मास्कों का वितरण किया गया और मास्क के उपयोग की जानकारी के साथ ही उन्हें इसका नियमित उपयोग करने की सलाह दी गई व इसे इस्तेमाल करने के बाद रोजाना धोकर उपयोग करने को कहा गया तथा कोरोना वायरस से बचने के लिए मास्क की आवश्यकता बताई गई। यह मास्क गांवों में जाकर जागरूकता कैम्प लगाकर सोशल डिस्टेन्सिग का ध्यान रख कर व स्वयं को कोरोना वायरस के खतरे से बचाते हुए यह कार्य किया गया।

मास्क वितरण फोटो

❖ सरकारी व गैर सरकारी विभागों के साथ समन्वय :–

डांग विकास संस्थान द्वारा सरकार व गैर सरकारी विभागों के साथ कोविड–19 आपदा में समन्वय के साथ कार्य कर रही है जिसमें जिला कलक्टर, पुलिस अधीक्षक, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जिला रसद विभाग, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद, विकास अधिकारी, उपखंड अधिकारी व ग्राम विकास अधिकारी व जिले की गैर सरकारी संगठनों के साथ समन्वय स्थापित कर कोविड 19 आपदा में कार्य किया गया।

❖ गांवों को सैनेटाइज करना व सैनेटाइजर बांटना :–

कोरोना वायरस के अधिक प्रभाव को देखते हुए संस्था ने करौली, मंडरायल, सपोटरा, मासलपुर ब्लॉक के 30 गांव की गली, मोहल्ला, रास्ता, घर व दुकानों मे सोडियम हाइपोक्लोराइड का छिडकाव सैनेटाईजर इप्रे मशीन के द्वारा किया गया जिससे कोरोना वायरस का खतरा कम हो सके लोगों को कोरोना वायरस से बचाया जा सके। इसके साथ ही 60 प्रतिशत एल्कोहल युक्त सैनेटाजर की बोतलों (शीसी) का भी वितरण किया गया और इसके उपयोग से होने वाले लाभ व किस प्रकार सैनेटाजर द्वारा अपने हाथ को 20 सैकण्ड तक धोने का तरीका बताया गया और यह भी बताया गया कि अपने हाथों से अपने या अन्य किसी के चेहरे को अनावश्यक नहीं छुए और सैनेटाईजर का प्रयोग करें।

सेनेटाईजर का छिडकाव करते हुए संस्था कार्यकर्ता

❖ कोरोना योद्धाओं का सम्मान :–

कोविड 19 वैश्विक महामारी में लॉक डाउन होने पर सभी लोग अपने–अपने स्थान पर रूक गये। लोगों का काम काज बन्द हो गया। लोगों को आर्थिक तंगी का सामना करना पडा यहां तक की लोगों का राशन भी खत्म हो गया तब ऐसे में काफी संस्था व समुहों ने मिलकर लोगों की मदद की व खाने–पीने की व्यवस्था की और पशु–पक्षियों को दाना–पानी का इंतजाम किया इसके साथ मेडीकल डिपार्टमेन्ट, पूलीस डिपार्टमेन्ट, होमगार्ड, आंगनबाडी कार्यकर्ता, अध्यापक, पेट्रोल पम्प पर कार्यरत कर्मचारी, स्काउट गाईडस, समाज सेवी, मीडियाकर्मी, सरपंच, सचिव और कई दान दाताओं के माध्यम से मिल जुल कर एक दूसरे का सहयोग कर कोरोना वायरस की लडाई में साथ दिया। ऐसे लोगों का संस्था द्वारा फूल माला पहना कर कोरोना योद्धा सम्मान पत्र से सम्मानित किया गया। सम्मान पत्र के साथ संस्था द्वारा सैनेटाईजर, डायरी, चार

धाम की तशवीर व मास्क भी दिये गये। संस्था द्वारा लगभग 700 लोगों का सम्मान कर चुकी है। यह सम्मान प्रतिदिन 15 से 20 लोगों का सरकार की एडवाईजरी का पूरा पालन करते हुए किया गया।

कोरोना योद्धाओं का सम्मान फोटोग्राफ्स

पॉल हेमलिन फाउन्डेशन के सहयोग से संचालित आई.सी.आर.आर.एफ. कार्यक्रम के अन्तर्गत की जाने वाली गतिविधियों का विवरण

Migrant Worker Ration Kit Distribution 20 Village in Karauli District

S.N.	Name of Village	Kit Distribution	Month
1	Kote	38	August 2020
2	Gubreda	39	August 2020
3	Kalyani	35	August 2020
4	Mamchari	45	August 2020 Repat
5	Madili	36	August 2020
6	Binega	32	August 2020
7	Dudapura	37	August 2020
8	Bhankri	36	August 2020 Repat
9	Arampura	38	August 2020
10	Bhikampura	39	September 2020
11	Bhanwarpura	39	September 2020
12	Kosra	35	September 2020
13	Soraya	34	September 2020
14	Machet	42	September 2020 Repat
15	Chawar	36	September 2020
16	Karsai	38	September 2020
17	Gadhiganv	36	September 2020
18	Manchi	43	September 2020 Repat
19	Rajor	46	September 2020 Repat
20	Sasedi	47	September 2020 Repat
Total		**771**	

Korona Awareness Camp & Thermal Screening 20 village in karauli district

S.N.	Name of Village	Awareness Camp	Thermal Screening	Sampling	Month
1	Kote	200	100	24	August 2020
2	Gubreda	315	56	20	August 2020
3	Kalyani	135	62	0	July 2020
4	Mamchari	300	205	56	July 2020
5	Chenpur	150	80	35	July 2020
6	Maholi	130	35	35	August 2020
7	Keladevi	200	52	52	August 2020
8	Binega	110	76	40	August 2020
9	Sasedi	250	170	33	August 2020
10	Ghadiganv	180	77	47	August 2020
11	Chawar	280	150	56	August 2020
12	Bhikampura	120	60	30	August 2020
13	Bhanwarpura	150	45	35	August 2020
14	Dudapura	175	70	39	August 2020
15	Bhankri	185	98	45	August 2020
16	Arampura	201	112	49	August 2020
17	Karsai	167	77	30	September 2020
18	Machet	179	89	35	September 2020
19	Kosra	203	88	58	September 2020
20	Soraya	185	84	42	September 2020
Tatal		**3815**	**1786**	**761**	

❖ प्रवासी मजदूर परिवारों का सर्वे

संस्था द्वारा करौली जिले के प्रवासी श्रमिकों को देश में लॉकडाउन के दौरान रोजगार की बढती समस्या व कोरोना महामारी की समस्या के कारण धीरे–धीरे अपने–अपने घर सरकार द्वारा वापिस लाये जा रहे थे। गांव से बाहर अन्य जिलों एंव राज्यों मे काम कर रहे प्रवासी मजदूरों का रोजगार भी चला गया और वापिस जाने हेतु कोई साधन भी नहीं था एवं कंपनिया व पत्थर का काम भी बन्द हो चुका था। उन परिवारों का संस्था द्वारा पीएचएफ कार्यक्रम के अन्तर्गत बीस गांवों का चयन किया गया जिसमें 3367 प्रवासी मजदूरों का सर्वे फोर्म बनाकर एक–एक प्रवासी मजदुरों के परिवार का सर्वे फोर्म भरा गया जिससे हमें ज्ञात हुआ कि प्रवासी मजदूर वेरोजगार हो गये है एवं परिवार को चलाने के लिए दूसरों से कर्जा लेना पड रहा है। यहां कभी–कभार कोई मजदूरी कार्य मिल जाता है तो कर लेते है। मनरेगा में भी काम नहीं चल रहा है। सर्वे के बाद उनमें से गरीबतम परिवारों का निम्न मानकों के आधार पर चयन किया गया।

1. विधवा महिला परिवार, कमाने वाला एक प्रवासी
2. परिवार का मुखिया बीमार एवं आय का अन्य स्त्रोत नहीं होना।
3. कमाने वाला एक प्रवासी व परिवार में बच्चों की संख्या अधिक।
4. स्थानीय रोजगार नहीं होना।
5. जिन परिवारों के प्रवासी श्रमिकों ने कर्जा लिया है आदि

❖ **प्रवासी मजदुरों को खाद्य सामग्री वितरण :–**

संस्था द्वारा सर्वे पश्चात उक्त मानकों के आधार पर 20 गांवों से 1500 परिवारों का चयन कर उन्हें राहत खाद्य सामग्री का वितरण किया गया जिससे परिवार को इस आपदा में भोजन की व्यवस्था सुनिश्चित हो सकी। इस राहत खाद्य सामग्री किट में 20 दिन की भोजन व्यवस्था के अनुरूप दो किलो सरसों का तेल, एक किलो सोयाबीन, एक किलो मूंग की व एक किलो चना की दाल, सर्फ 500 ग्राम, नमक, धनीया, मिर्ची, हल्दी पाउडर, 250 ग्राम चाय की पत्ती, एक किलो चीनी आदि सामग्री उपलब्ध करवाई गई। यह किट 20 दिन पश्चात् वापिस दिये जाते है जिससे प्रवासी मजदूर के परिवार के भोजन की समस्या का समाधान हो सके।

❖ **कोरोना जागरूकता शिविर :–**

संस्था द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर जागरूकता शिविरों का आयोजन किय गया। कोरोना वायरस से होने वाली बीमारी से लोगों में भय व्याप्त हो गया इस भय को निकालने के लिए व लोगों की रोज की कार्य को सुचारू रूप से चलाने के लिए यह कोरोना वायरस से बचाव हेतु जागरूकता अभियान चलाया गया जिससे लोग कोरोना से डरे नहीं बल्कि बचाव करें। कोरोना वायरस से बचाव हेतु जागरूकता अभियान चलाने हेतु संस्था द्वारा विभिन्न माध्यमों का उपयोग किया जैसे गांव–गांव फ्लेक्स वैनर लगाये गये, जागरूकता रथ बना कर माईक के माध्यम से प्रचार–प्रसार किया गया, पम्पलेट बांटे गये और लोगों को बचाव के उपाय बताये गये तथा समाचार पत्रों के माध्यम से लोगों को समझाने का प्रयास किया गया और बचाव के तरीके बताये गये। इस अभियान तहत गांवों के स्वास्थ्य केन्द्र पर व गांव में शिविर लगाकर लोगों की स्क्रीनिंग की गई, पल्सरेट नापी गई। इस जागरूकता अभियान में सरकारी एडवाईजरी का पूरा ध्यान रखा गया व संस्था के कार्यकताओं द्वारा पीपीटी किट पहना गया। लोगों के साथ सोशल डिस्टेन्शिग में बैठके की गई। ग्राम स्तर पर शिविर लगाकर सोशियल डिस्टेन्स का ध्यान रखते हुए प्रवासी मजदूरों को एकत्रित कर कोरोना वायरस की जांच हेतु थर्मल स्क्रीनिंग व पल्स ऑक्सीमीटर मशीन द्वारा जांच की गई।

संस्था द्वारा ब्लॉक सी.एम.एच.ओ. के साथ मिलकर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर कोरोना सैम्पिलिंग शिविरों में लोगों को सैम्पिल लेने हेतु सामुदायिक जागरूकता कर कोरोना जांच के सैम्पल दिलवाने में सहयोग किया।

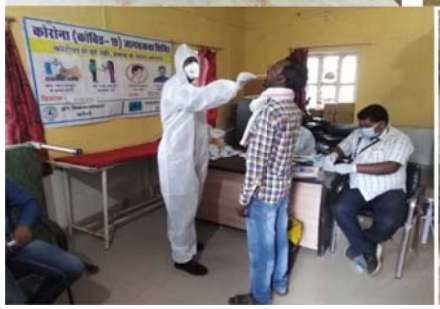

❖ संस्था स्टाफ की सुरक्षा हेतु कार्य :–

संस्था द्वारा इस महामारी को देखते हुए संस्था स्टाफ की सुरक्षा का भी ध्यान रखा गया। स्टाफ सुरक्षा हेतु प्रत्येक दिन कार्यालय को सैनेटाईज किया जाता है साथ ही हाथ धोने के लिए अनटच सैनेटाईज मशीन का प्रयोग किया जाता है और कार्यालय में प्रत्येक दिन जडी बूटियों से बना आयुर्वेदिक काडा बनाकर स्टाफ में प्रयोग किया जाता है। साथ ही आने–जाने वाले व्यक्तियों को भी सैनेटाईज किया जाता है और सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखा जाता है और हर समय मास्क का उपयोग किया जाता है। साथ ही टेम्परेचर नापने की मशीन से टेम्परेचर नापा जाता है और पल्स व ऑक्सीजन भी नापी जाती है। फील्ड में जाने के लिए स्टाफ को पीपीटी किट का इस्तेमाल किया जाता है यदि किसी स्टाफ को खांसी, जुकाम, बुखार या सर दर्द होता तो तुरन्त सरकारी अस्पताल में जाकर दवाई का प्रयोग किया जाता।

❖ समस्याऐं :–

- संस्था स्टाफ को कार्यालय आते व जाते समय प्रशासन द्वारा बार–बार टोकना।
- संस्था कर्मियों को हर समय कोरोना वायरस से बचाव का उपाय करते रहना।
- कोरोना वायरस से प्रभावित होने का डर रहना।
- सामान की उपलब्धता समय पर नहीं होना।

❖ उपलब्धियां :–

- क्षेत्र में संस्था की पहचान बढना।
- लोंगों में संस्था के प्रति विश्वास पैदा होना।
- सरकार में संस्था की पहचान बढना।
- लोगों का कोरोना कार्यकाल में अधिक कार्य करने का उत्साहवर्धन हुआ।
- इस महामारी में मानव सेवा कर संस्था व व्यक्तिगत रूप से आत्म विश्वास बढना।

❖ विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरें –

कोविड–19 जागरुकता शिविरों का आयोजन

शिविर आयोजित कर प्रवासियों के लिए कोविड–19 सैंपल

कोरोना जागरूकता शिविर में वितरित की खाद्य सामग्री

शिविर • 187 प्रवासी एवं उनके परिजनों की कराई स्क्रीनिंग, सुरक्षा के उपायों के बारे में जानकारी दी

डांग विकास संस्थान ने कोरोना से बचाव को लेकर लगाया जागरूकता शिविर

स्काउट और गाइडों को कोरोना योद्धा सम्मान से नवाजा, बेहतर सेवा के लिए कर्मचारी सम्मानित

दैनिक भास्कर करौली 17-09-2020

ससेडी व आरामपुरा गांव में व्यवसायिक स्वास्थ्य नेत्र जांच शिविर

खान मजदूरों और उनके परिवार की नेत्र रोगों की जांच कर सुरक्षा उपकरण बांटे

70 बुजुर्गों को बांटे चश्मे

22 परिवारों को बांटी खाद्य सामग्री

करौली। पॉल हेमलिन फाउंडेशन करौली के सहयोग से शुक्रवार को डांग विकास संस्थान, करौली की ओर से कोरोना में प्रवासी मजदूरों को खाद्य सामग्री की किटों का वितरण किया गया। डांग विकास संस्थान के कार्यक्रम समन्वयक राजेश कुमार ने बताया कि गांव भंवरपुरा व भीकमपुरा में सरकार की एडवाइजरी के निर्देशों की पालना करने की जानकारी दी गई। माहमारी में प्रवासी श्रमिको को रोजगार में आई समस्याओं के कारण चिन्हित 22 परिवारों को खाद्य सामग्री की किटो का वितरण किया गया। इस अवसर पर संस्थान के कार्यक्रम समन्वयक राजेश कुमार व विक्रम सिंह जाटव भी उपस्थित रहे।

कोविड–19 जागरुकता शिविरों का आयोजन

न्यूज सर्विस/नवज्योति, करौली। पॉल हेमलिन फाउंडेशन के सहयोग से मंगलवार को डांग विकास संस्थान करौली द्वारा कोरोना वायरस कोविड-19 जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। डांग विकास संस्थान के कार्यक्रम समन्वयक राजेश कुमार बताया कि मंगलवार को गांव गुवरैडा व कोटे में 156 प्रवासी उनके परिजनों व ग्रामीणों की थर्मल स्क्रीनिंग की गई सरकार की एडवायजरी के निर्देशों के पालन करने की जानकारी दी गई ।संस्थान के कार्यक्रम समन्वयक राजेश शर्मा द्वारा बताया गया कि कोरोना से डरने की आवश्यकता नहीं है आवश्यक सावधानियां बरतने के बारे में जानकारी दी गई ।इस दौरान वैश्विक माहमारी में प्रवासी श्रमिकों को रोजगार में आई समस्याओं के कारण चिन्हित 22 परिवारों को खाद्य सामग्री किटों का वितरण किया गया। इस अवसर पर कोटे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के कंपाउंडर विजेंद्र शर्मा, गुवरैडा उप स्वास्थ्य केंद्र की ए एन एम कुसुम शर्मा, आशा सहयोगिनी अन्नु शर्मा, संस्थान के कार्यक्रम समन्वयक राजेश कुमार बिक्रमसिहं गुर्जर उपस्थित रहे। कोरोना जागरुकता शिविर मे लोंगों की जानकारी बढ़ाने के लिए पम्पलेट व पोस्टरों का वितरण किया गया।

दैनिक भास्कर करौली 01-08-2020

डांग विकास संस्थान में स्वयंसेवी संस्थाओं की एक दिनी नेटवर्किंग कार्यशाला संपन्न

कार्यालय संवाददाता | करौली